अहिंसा यात्रा प्रेस विज्ञप्ति

महाराजा इंस्टीट्यूट आॅफ टेक्नोलाॅजी में पधारे तेरापंथ के अधिराजा

-एन.एच. 544 पर गतिमान ज्योतिचरण कोयम्बत्तूर की ओर, कल होगा कोयम्बत्तूर में भव्य मंगल प्रवेश

-लगभग ग्यारह किलोमीटर का विहार कर आचार्यश्री पहुंचे अरसूर

-हिंसाकारी मृषावाद से बचने की आचार्यश्री ने दी पावन प्रेरणा

05.02.2019 अरसूर, कोयम्बत्तूर (तमिलनाडु): तिरुपुर की धरती पर वर्धमान महोत्सव सुसम्पन्न कर तेरापंथ धर्मसंघ के महाकुम्भ कहे जाने वाले मर्यादा महोत्सव के आयोजन के लिए गतिमान जैन श्वेताम्बर तेरापंथ धर्मसंघ के ग्यारहवें अनुशास्ता, भगवान महावीर के प्रतिनिधि, अहिंसा यात्रा के प्रणेता आचार्यश्री महाश्रमणजी मंगलवार को अपनी अहिंसा यात्रा के साथ कोयम्बत्तूर जिले में स्थित महाराजा इंस्टीट्यूट आॅफ टेक्नोलाॅजी के परिसर में पधारे। महाराजा इंस्टीट्यूट अपने परिसर में तेरापंथ के अधिराजा का चरणरज पाकर धन्यता की अनुभूति कर रहा था।

मंगलवार को प्रातः आचार्यश्री महाश्रमणजी अपनी अहिंसा यात्रा के साथ करुमथमपट्टी स्थित ए.आर.सी. मैट्रिकुलेशन हायर सेकेण्ड्री स्कूल से प्रस्थान किया। राष्ट्र के महान संत राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 544 के किनारे-किनारे गतिमान थे। छह लेन के इस राष्ट्रीय राजमार्ग पर तेजी से भागते वाहन अपनी गंतव्य की ओर जा रहे थे तो वहीं अपने चरणरज से इस धरती को पावन बनाने हुए आचार्यश्री लोगांे को पावन आशीष प्रदान करते हुए गतिमान थे। कल सायंकालीन विहार के दौरान ही आचार्यश्री ने कोयम्बत्तूर जिले में पावन प्रवेश कर लिया था। कोयम्बत्तूर जिले की धरती पर लगभग ग्यारह किलोमीटर का विहार कर आचार्यश्री अपनी धवल सेना के साथ अरसूर स्थित महाराजा इंस्टीट्यूट आॅफ टेक्नोलाॅजी परिसर में पधारे।

इंस्टीट्यूट परिसर में आयोजित मंगल प्रवचन में आचार्यश्री ने उपस्थित श्रद्धालुओं को पावन प्रेरणा प्रदान करते हुए कहा कि आदमी को हिंसाकारी मृषावाद का प्रयोग नहीं करना चाहिए। झूठ बोलने के कई कारण बताए गए हैं। झूठ पाप होता है और आदमी को इस पाप बचने का प्रयास करना चाहिए। साधु के लिए तो मृषावाद सर्वथा वर्जनीय होता है। आदमी को झूठ नहीं बोलना चाहिए। आदमी भय के कारण से झूठ बोलता है। आदमी को जब किसी से भय लगता हो, अथवा अपने किए हुए गलत कार्यों की सजा से उसे डर लगता है तो आदमी झूठ बोलता है। झूठ बोलने वाले आदमी का विश्वास चला जाता है। इसलिए आदमी को किसी भी भय के कारण झूठ बोलने से बचने का प्रयास करना चाहिए। न्यायालय में भी आदमी को झूठ नहीं बोलना चाहिए। आदमी को किसी दूसरे को झूठे मुकदमे आदि में फंसाने से भी बचने का प्रयास करना चाहिए।

आदमी लोभ के कारण झूठ बोलता है। किसी प्रकार का मन में लालच आ जाए तो भी आदमी झूठ बोल देता है। आदमी को लोभ नहीं करना चाहिए और झूठ बोलने से बचने का प्रयास करना चाहिए। आदमी हंसी-मजाक में भी झूठ बोल देता है। आदमी को हंसी-मजाक में भी मृषावाद से बचने का प्रयास करना चाहिए। थोड़े समय के लाभ के लिए आदमी को अपनी ईमानदारी और प्रमाणिकता को नहीं छोड़ना चाहिए। आदमी को अपने जीवन में ईमानदारी को स्थान देने का प्रयास करना चाहिए।